NEWSLETTER

GOLD : 51864
SILVER : 57390
CRUD OIL : 7112

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

06/08/2022

पंजाब के जिनर के लिए कॉटन सेलिंग नहीं बल्कि कॉटन टेस्टिंग बड़ी समस्याः "भगवान बंसल"

पंजाब कॉटन एंड जिनर्स एसोसिएशन भटिंडा के पर्वू अध्यक्ष भगवान बंसल से एसआईएस की खास बातचीत

कॉटन को बेचना या खरीददार ढूंढना पंजाब जिनर के लिए कोई समस्या नहीं है क्योंकि यहां के कॉटन की डिमांड नेशनल और इंटरनेशल दोनों मार्केट में है। यहां के जिनर्स के सामने यदि कोई समस्या है तो वह है कॉटन टेस्टिंग की। सीजन में हम सारा दिन सेम्पल भरकर टक लेकर घूमते रहते है। समय, पैसा और एनर्जी तीनों बर्बाद होती है। हमारे यहां कॉटन टेस्टिंग लेबोरेटरी की कमी है। सरकार या ऑर्गेनाइजेशन को इसके लिए प्रयास करने चाहिए। सब्सिडी देनी चाहिए ताकि लोग यहां लेबोरेटरी शुरू करने की सोचे। इससे कॉटन बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। कॉटन बहुल क्षेत्र जैसे हनुमागढ़, विजयनगर, हिसार और सरसा में यदि कॉटन टेस्टिंग लैब लग जाए तो जिनर्स के लिए बहुत मदद हो जाएगी। यह कहना है पंजाब के मुक्तिसर में कॉटन जिनिंग फैक्टी चला रहे भगवान बंसल का।

वे बताते है कि कपास का व्यापार एक समान व्यवसाय नहीं है। यहां हर साल आपको अलग-अलग तरीकों से योजना बनानी होती है। कॉटन एक अंतराष्टीय व्यापारिक वस्तु है। इसमें हर साल मौलिक बदलाव होते है। जो डॉलर, विदेशी मांग, एमएसपी, सीसीआई की भूमिका, निर्यात मांग, चीन और यूरोपीय संघ की भूमिका पर निर्भर करते हैं।

पड़ोसी देशों के इकोनॉमिक क्राइसेस का असर

भगवानजी का परिवार 1965 से कॉटन कारोबार से जुड़ा है। वे बताते है कि मुझे इस इंडस्ट्री में आए 30 साल से ज्यादा समय हो गया है इसके पहले मेरे पिताजी यह काम संभालते थे। आज मैं और मेरा बेटा शशांक मिलकर फैक्टी को संभाल रहे हैं। वर्तमान में हम बिजनेस में जो बदलाव देख रहे है उनमें से एक यह है कि इनदिनों एक्सपोर्ट में रूई, गारमेंट, यार्न, फैब्रिक आदि किसी भी प्रोडक्ट की डिमांड नहीं है। नतीजतन,देश के जिनर्स डोमेस्टिक बायर पर ही डिपेंड है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे हमारे करीबी देशों में इकोनॉमिक क्राइसेस चल रहा है। जिसका सीधा असर हमारे एक्सपोर्ट बिजनेस पर हो रहा है।

अवसर

भारतीय टेक्सटाइल इंडस्टी का भविष्य उज्ज्वल है। लेकिन यह समझना होगा कि हमारे पास जितने अवसर है उतनी ही चुनौतियां भी है। हमें फोकस की आवश्यकता है। आज का युवा हमसें ज्यादा समझदार है। वे डिजिटल क्रांति के इस युग को समझकर बिजनेस कर रहे है। हम जहां पैसा देखकर व्यापार करते थे वे वहां टेक्नोलॉजी का कंपेरिजरन करके व्यापार करते है। इसलिए यह तो निश्चित है कि युवाओं के लिए इस इंडस्टी में अवसरों की कोई कमी नहीं है।

3 करोड़ 40 लाख के लगभग होगी आवक

उन्होंने बताया कि पड़ोसी देशों में आर्थिक संकट की वजह से देश की स्पिनिंग मिल्स को खासा नुकसान हुआ है। पिछले कुछ दिनों में यार्न में 60 से 80 रूपए की भारी मंदी आई है। इसका असर हमारी इंडस्ट्री पर हुआ है। इसके विपरित यदि हम महामारी के 2 साल की बात करें तो उस दौर में देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री खासी मुनाफे में रही थी। क्योंकि उस दौरान दुनिया बंद थी लेकिन हिंदुस्तान की टेक्सटाइल इंडस्ट्री चल रही थी। जहां तक कॉटन अराइवल की बात है तो इस साल किसानों को कपास के अच्छे भाव मिले है जिसकी वजह से कपास का रकबा बड़ा है। साल 21-22 में कपास की कुल आवक देश में 2.85 लाख रहीं। हमारा अनुमान है कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो साल 22-23 में यह 3 करोड़ 40 लाख के लगभग होगी।

BHAGWAN BANSAL

सुझाव

1 किसानों की मदद के लिए केंद्रीय सरकार को मेरा एक सुझाव है। सरकार को एक कॉटन यूनिवर्सिटी बनानी चाहिए जहां किसानों को कृषि की आनुधिक तकनीकें सिखाई जाएं। इसके साथ ही गर्वनमेंट ऑफ इंडिया को एक ऐसा प्रोग्राम चलाना चाहिए जिसमें वे अपने खर्च पर चुनिंदा किसानों को अमेरिका, चाइना और ऑस्टेलिया जैसे देशों में लेकर जाएं और वहां की कृषि तकनीकों से अवगत कराएं। इससे हमारे देश के कृषक उन्नत होंगे। और यदि कृषक उन्नत होंगे तो व्यापार में तरक्की निश्चित है।

2 कॉटन के लिए बंग्लादेश हमारा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। इंडियन गर्वनमेंट को बांग्लादेश के लिए कपास के बक्सों के लिए सीधी रेल सुविधा शुरू करनी चाहिए। इससे एक्सपोर्ट में तेजी आएगी।

SHASHANK BANSAL

NEWSLETTER

NORTH : Rainy
CENTRAL : Rainy
SOUTH : Rainy
(WEATHER REPORT)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

06/08/2022

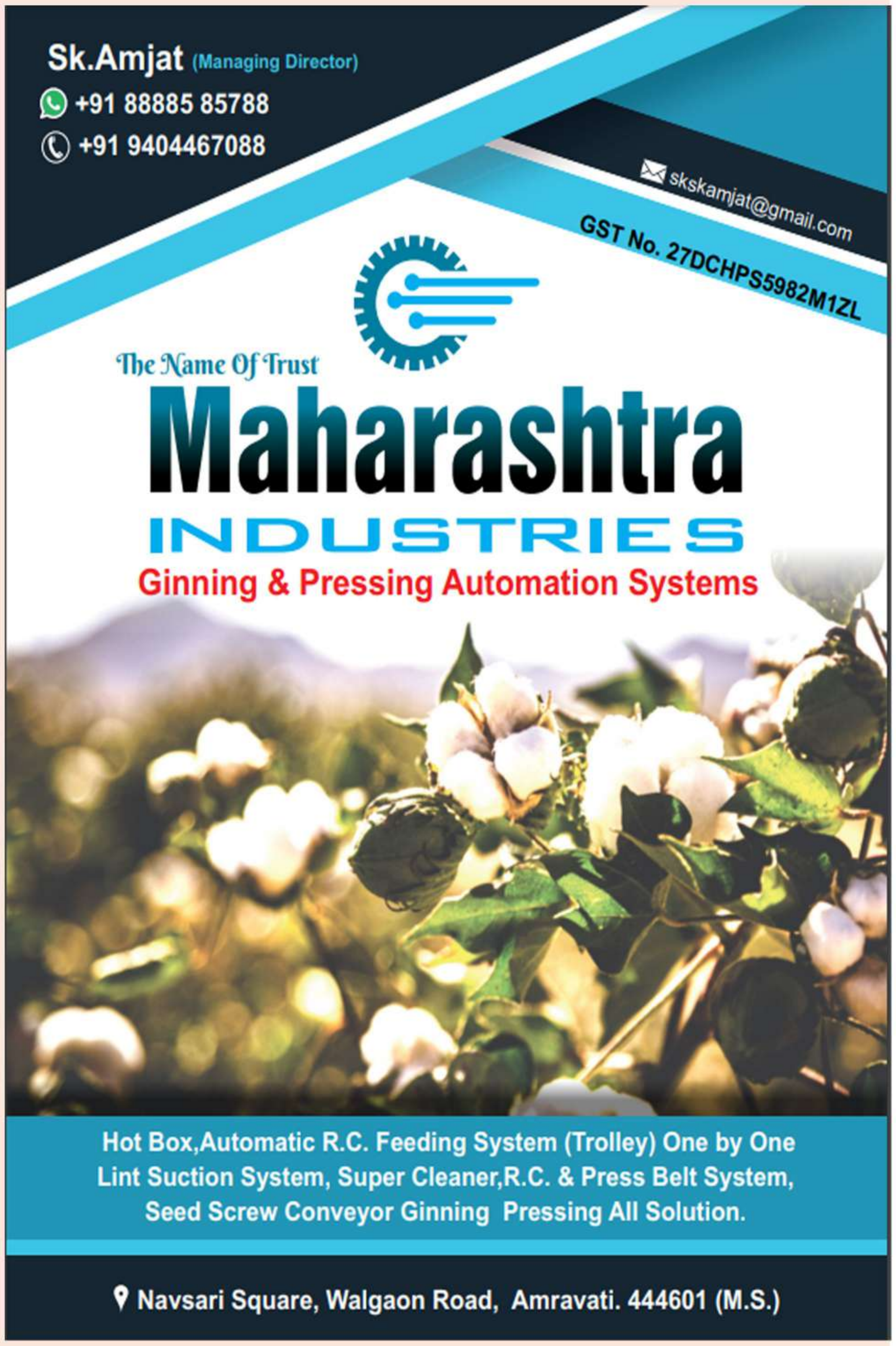

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए अगस्त का पहला सप्ताह

01 अगस्त से 06 अगस्त के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव तो चलते ही रहते है। लेकिन पिछला सप्ताह निवेशकों के लिए खासा उत्साहजनक रहा। दरअसल अगस्त माह के पहले सप्ताह में शेयर मार्केट में उछाल का दौर रहा। नतीजतन, टेक्सटाइल निवेशकों ने भी राहत की सांस ली। बीएससी के मंच पर लगभग सभी प्रमुख टेक्सटाइल कंपनी के शेयर्स ने मुनाफा कमाया। आइए जानते है इस सप्ताह प्रमुख टेक्टाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	315.6	323.9	303.1	3.14%
अरविद लिमिटेड	96.15	104.5	92.5	3.83%
वेलसपन इंडिया	74.05	76.8	70.15	5.56%
नितिन स्पिनर्स	212.55	213.8	203.85	-0.98%
रेमण्ड	970.05	998.15	945.05	0.01%
अक्षिता कॉटन लिमिटेड	288.9	303.95	262.4	9.85%

जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा ये सप्ताह

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 06.08.2022

ICE COTTON			
MONTH	29.07.2022	05.08.2022	WEEKLY CHANGE
DEC	96.74	96.13	-0.61
MARCH	93.51	93.8	0.29
MAY	92.03	92.35	0.32
MCX (BALES)			
AUG	44960	47180	2220
OCT	36850	38950	2100
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1662.5	1693	30.5
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2596	2677	81
SEP	2614	2713	99
DEC	2389	2465	76
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	79.25	79.23	-0.02
PAK (Pakistani Rupee)	240.094	224.302	-15.792
CNY (Chinese yuan)	6.74429	6.76228	0.01799
BRAZIL (Real)	5.17279	5.61599	0.4432
AUSTRALIAN Dollar	1.43089	1.44696	0.01607
MALAYSIAN RINGGITS	4.45049	4.45604	0.00555
COTLOOK "A" INDEX	131.4	113.1	-18.3
BRAZIL COTTON INDEX	115.32	116.65	1.33
USDA SPOT RATE	107.77	106.04	-1.73
MCX SPOT RATE	43140	44600	1460
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	19200	17000	-2200
GOLD ($)	1764	1792.4	28.4
SILVER ($)	20.335	19.86	-0.475
CRUDE ($)	98.3	88.53	-9.77

पिछले सप्ताह की तुलना में इस सप्ताह कपास के भावों में हल्की तेजी देखने को मिली। आइस कॉटन, एमसीएक्स और एनसीडीएक्स पर कपास के रेट में बढ़ोतरी हुई। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर मार्च और मई महीने के लिए कॉटन भाव में क्रमशः 0.29 और 0.32 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि दिसंबर माह का साप्ताहिक अंतर 0.61 से कम रहा। एमसीएक्स पर कॉटन बेल्स में अगस्त माह में 2200 और अक्टूबर माह में 2100 रूपए का पॉजीटिव अंतर देखा गया। एनसीडीएक्स पर भी अप्रैल माह के लिए कॉटन रेट में 30.5 अंक की बढ़ोतरी देखने को मिली।

इसके अलावा ब्राजील कॉटन इंडेक्स और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर भी साप्ताहिक अंतर पॉजीटिव रहा। जबकि कॉटलुक ए इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट और केसीए स्पॉट रेट का साप्ताहिक अंतर निगेटिव रहा। गोल्ड की बात करें तो इस सप्ताह सोने की चमक में निखार आया। सप्ताह की शुरूआत में इसके भाव जहां 1764 डॉलर थे वहीं सप्ताह अंत में 28.4 डॉलर बढ़कर 1792 डॉलर हो गए। इसके विपरित सिल्वर और क्रूड ऑयल के भाव में कमी देखने को मिली। करंसी की बात करें तो इस सप्ताह डॉलर को चाइनीज युआन, ब्राजील रिअल, ऑस्टेलियन डॉलर और मलेशियन रिंगिट के मुकाबले तेजी मिली है। जबकि भारतीय और पाकिस्तानी रूपए ने थोड़ी मजबूती दर्ज की है।